Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 5, May - 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 01/05/2021 Accepted on : 14/05/2021 Publication Date: 31/05/2021

मध्यप्रदेश में बागवानी विकास की दशा और दिशा

[1]डॉ.सुनील कुमार चौधरी, [2]डॉ . वन्दना मण्डलोई
[1.] सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, महिदपुर, जिला-उज्जैन (म.प्र.) भारत।
[2.] अतिथि विद्वान, अर्थशास्त्र, शासकीय महाविद्यालय, दलौदा, (म.प्र.) भारत।
E-mail ID: [1]eco.skchoudhary85@gmail.com, [2]Vandanamandloi9@gmail.com

सारांश: बागवानी का कृषि आय बढ़ाने, आजीविका सुरक्षा प्रदान करने एवं विदेशी मुद्रा अर्जित करने में विशेष योगदान है। हालांकि बागवानी विकास के लिए नीतिगत हस्तक्षेप के साथ एकीकृत रणनीति की आवश्यकता है। प्रदेश में बागवानी विकास की प्रगति सकारात्मक स्थिति को स्पष्ट करता है। किन्तु बागवानी विकास के समक्ष कुछ चुनौतियाँ है जिसके कारण बागवानी विकास की गति तीव्र रूप में नहीं पायी गई है। यह अध्ययन मध्यप्रदेश में बागवानी क्षेत्र के रूझानों की जांच करता है। और विकास की संभावनाओं की पहचान करता है।

शब्द कुंजी: बागवानी फसल, उत्पादन, उत्पादकता, वृद्धि दर, प्रवृति, औसत,चल माध्य।

1. प्रस्तावना:

मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र को जीवन रेखा कहा जाता है क्योंकि प्रदेश के निवासियों की आजीविका का प्रमुख साधन कृषि तथा संबंधित क्षेत्र हैं। इसी तरह से भारत की अर्थव्यवस्था की तरह प्रदेश की अर्थव्यवस्था भी कृषि कार्य पर निर्भर करती है। इस कारण से मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की प्रमुख धुरी के रूप में कृषि क्षेत्र है, शासन की नीति निर्माण तथा शोध-अध्ययन में कृषि विकास हेतु विशेष प्रयास तथा प्रावधानों का नीतिगत पहल की जा रही हैं। इन नीतिगत परिणाम स्वरूप प्रदेश की कृषि की वृद्धि दर तथा विकास तीव्रगति से हुआ है इससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ है। लेकिन बढ़ती आबादी तथा बदलते मानसून परिदृष्य ने कृषि के सम्मुख अनेक चुनौतियाँ तथा सम्भावानाओं को प्रकट किया है। क्योंकि कृषि वर्तमान में केवल जीवकोर्पाजन का साधन नहीं, बल्कि एक उद्यम है जिसके कारण कृषि क्षेत्र के स्वरूप में परिवर्तन तथा विस्तार के रूप में बागवानी (उद्यानिकी) क्षेत्र उभरा हुआ है। राज्य की अर्थव्यवस्था में बागवानी फसलों का उल्लेखनीय योगदान है। विगत् दशकों में समूचे भारत सहित मध्यप्रदेश राज्य में बागवानी फसलों के उत्पादन तथा क्षेत्र विस्तार में तीव्र वृद्धि हुई है। इससे भारत सहित प्रदेश के किसान बड़े पैमाने पर बागवानी फसलों की पैदावार कर, अपनी आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने में सक्षम हुए है, किन्तु वहीं प्रदेश में एक तरफ अराजकता, तनाव, गरीबी, भुखमरी, ऋणग्रस्तता, कुपोषण, बेरोजगारी, लिंग विभेद के साथ सामाजिक कुरूतियॉं, क्रयशक्ति क्षमता की कमी, कृषि मूल्य में कमी के साथ कृषि लागतों की वृद्धि ने कृषि विकास को बाधित कर, किसान तथा भूमिहीन किसान, श्रमिकों को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया हुआ है। पिछले एक दशक में राज्य में आत्महत्या की अनेक घटनाएँ हुई है जिसका प्रमुख कारण क्रयशक्ति क्षमता का अभाव और ऋणग्रस्ता रहा हैं। बागवानी क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान है। यह कृषि क्षेत्र की आय बढ़ाने के साथ-साथ आजीविका सुरक्षा प्रदान करने, विदेशी मुद्रा अर्जित करने के अतिरिक्त खाद्यान्न सुरक्षा के साथ पौष्टिक आहार, गरीबी उन्मुलन और लैंगिंक समानता के साथ महिला सशक्तीकरण, कृषि आधारित उद्योगों को कच्चा माल, हरित अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन तथा सतत् विकास में महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करता है।

वर्तमान समय में बागवानी विकास के सम्मुख अनेक चुनौतियॉं है। यदि इन चुनौतियां पर विशेष ध्यान दिया जाए तो निश्चित ही समग्र कृषि विकास को एक नई दिशा प्राप्त होगी। जिससे बागवानी विकास का सर्वोपरि योगदान होगा। यह शोध पत्र बागवानी की स्थिति का अध्ययन कर उत्पादन प्रवृति तथा विकास दर की स्थिति के माध्यम से मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्स प्राप्त करने की दिशा में बागवानी की भूमिका को स्पष्ट करता है।

2. अध्ययन का उद्धेश्य:

- म.प्र. में बागवानी फसलों की उत्पादन, क्षेत्रफल तथा उत्पादकता की स्थिति का अध्ययन करना।
- बागवानी फसलों की वृद्धि दर की स्थिति का अध्ययन करना
- बागवानी विकास की चुनौतियां तथा संभावनाओं का अध्ययन कर, सुझाव प्रस्तुत करना।

3. अध्ययन की शोध प्रविधि:

यह शोध भारत में बागवानी उत्पादन की प्रवृति का अध्ययन करता है जोकि परिमाणात्मक शोध पर आधारित है। निगमनात्मक विधि से विशिष्ट निष्कर्ष ज्ञात किया गया। जिसमे हमने वर्णनात्मक विश्लेषण अनुसंधान संरचना पर आधारित है। इस शोध पत्र में द्वितीयक

संमकों का उपयोग किया गया है। जिसका संकलन केन्द्र तथा राज्य सरकार विविध उपक्रम एवं संस्थानों के प्रकाशित प्रतिवेदन के साथ राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, कृषि मंत्रालय की वेबसाईट से वार्षिक रिपोर्ट तथा अन्य प्रतिवेदन, एनएचएम, रिपोर्ट के संमकों का विशेष रूप से प्रयोग किया गया है। संमक का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी पद्धति के साथ, प्रवृति दर, वार्षिक वृद्धि के माध्यम से सामान्य निष्कर्ष एवं सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है।

4. विश्लेषण, परिचर्चा एवं परिणाम:

मध्यप्रदेश में बागवानी फसलों का परिदृष्य तथा प्रवृति- राज्य में उद्यानिकी उत्पादन की स्थिति, उत्पादकता, वृद्धि दर, के साथ प्रतिरूप और भविष्य में भी उद्यानिकी फसलों के उत्पादन की संभावना की स्थिति अध्ययन निम्नानुसार प्रदर्शित किया गया हैं-

तालिका क्रमांक 1

मध्यप्रदेश में बागवानी फसलों का क्षेत्र तथा उत्पादन प्रवृति की स्थिति

(क्षेत्रः 000 हेक्ट, उत्पादनः लाख मेट्रिक टन में)

वर्ष	फल		सब्जी		मसाले		फूल		सजावटी पौधे		कुल बागवानी	
	क्षेत्र	उत्पा.	क्षेत्र	उत्पा.	क्षेत्र	उत्पा.	क्षेत्र	उत्पा.	क्षेत्र	उत्पा.	क्षेत्र	उत्पा.
1992	61.31	11.59	158.91	19.52	198.54	1.76	0.96	0.01	-	-	419.72	32.87
1993	57.89	10.64	162.19	19.95	203.61	1.50	0.83	0.00	-	-	424.51	32.09
1994	58.44	10.71	173.61	21.43	234.67	1.70	0.92	0.01	-	-	467.63	33.84
1995	61.02	11.23	180.81	22.41	236.63	2.08	1.27	0.01	-	-	479.74	35.72
1996	59.71	11.23	189.08	23.27	249.86	2.47	1.39	0.01	23.33	1.40	523.36	38.37
1997	59.47	12.38	202.91	28.39	262.08	3.26	1.44	0.01	26.51	1.59	552.40	45.62
1998	60.13	13.09	212.73	29.79	331.03	3.08	1.78	0.01	27.89	1.67	633.56	47.64
1999	63.94	14.31	237.13	33.24	315.33	3.14	1.26	0.01	20.23	1.21	637.89	51.91
2000	57.49	15.79	223.84	23.78	293.23	3.22	3.43	0.02	20.83	1.24	598.81	44.05
2001	51.52	13.38	130.85	18.61	171.42	1.50	3.76	0.02	15.20	0.91	372.75	34.42
2002	46.26	11.43	140.88	19.98	195.91	1.88	1.44	0.01	18.36	1.10	402.85	34.40
2003	47.55	11.13	144.10	20.49	144.71	1.60	1.42	0.01	15.39	1.05	337.77	33.23
2004	50.04	11.86	174.82	22.82	230.24	2.20	1.64	0.01	12.42	1.12	470.75	34.40
2005	48.61	11.76	174.73	22.94	231.23	2.21	1.70	0.01	10.26	1.07	450.75	33.32
2006	46.48	11.67	173.35	22.93	230.71	2.25	1.78	0.01	9.45	1.04	422.77	32.00
2007	44.18	11.48	169.02	22.58	224.91	2.24	1.88	0.01	7.43	1.01	393.42	30.16
2008	50.00	12.90	204.00	27.16	282.00	3.64	3.00	0.02	18.00	1.08	557.00	44.80
2009	48.00	12.19	205.00	26.80	276.00	3.65	3.00	0.02	24.00	1.42	556.00	44.08
2010	113.00	28.64	248.00	32.42	319.00	4.19	7.00	0.05	29.00	1.74	716.00	67.04
2011	132.00	33.73	284.00	36.99	366.00	4.82	8.00	0.06	34.00	2.02	823.00	77.61
2012	159.57	33.91	506.99	100.84	299.91	4.62	15.61	1.51	19.27	2.32	1001.35	143.20
2013	196.36	54.5	612.77	125.74	299.91	4.62	16.52	1.93	62.63	3.93	1188.19	190.72
2014	203.79	56.96	628.72	130.19	284.91	4.55	17.06	2.00	63.95	4.05	1198.43	197.75
2015	219.96	61.19	672.30	141.99	340.21	6.99	17.75	2.08	65.62	4.16	1315.84	216.41
2016	276.82	57.83	757.67	155.68	366.04	7.11	18.42	2.16	72.18	4.97	1491.13	227.75
2017	351.36	69.356	920.55	179.29	524.59	10.78	17.67	1.94	72.90	5.03	1887.07	266.39
2018	354.06	74.1691	889.74	175.45	540.78	11.92	19.79	2.46	45.30	9.16	1849.66	265.31
2019 (1st adv)	353.71	73.7751	927.33	181.48	549.76	12.49	17.72	2.49	36.02	0.88	1884.53	270.57

Source: एक नजर उद्यानिकी सांख्यिकी पुस्तिका 2017 एवं वार्षिक प्रतिवेदन

उपर्युक्त तालिका में मध्यप्रदेश मे बागवानी फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन की स्थितिको वैश्वीकरण की नीति के पश्चात् राज्य में बागवानी फसलों के विकास के तीन चरणों की स्थिति को दर्शाया गया हैं। वर्ष 1991-92 से 2018-19 तक बागवानी फसलों के क्षेत्र

तथा उत्पादन को दर्शाया गया है। राज्य में बागवानी विकास के लिए वर्ष 1990-91 में बागवानी विभाग बनाया गया हैं। तत्पश्चात् वर्ष 2000-01 से शासन बागवानी विकास के विशेष योजना शुरू की और वर्ष 2005-06 में राष्ट्रीय बागवानी मिशन कार्यक्रम चलाया गया हैं। उसके बाद वर्ष 2010-11 में समग्र कृषि विकास की नीति अपनाई गई है जिसके फलस्वरूप राज्य में बागवानी क्षेत्र तथा उत्पादन विस्तार हुआ हैं। राज्य में वर्ष 1991-92 में फल 61.31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र से 11.59 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ है। इसी वर्ष सब्जी 158.91 हजार हेक्ट. क्षेत्र से 19.52 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ है। इसी प्रकार वर्ष 1991-92 में ही राज्य में कुल बागवानी फसलों का क्षेत्र 419.72 हजार हेक्ट क्षेत्र से 32.87 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन था जो वर्ष 2000-01 में कुल बागवानी फसलों का क्षेत्रफल घटकर 372.75 हजार हेक्ट से 34.42 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ है जो वर्ष 1991-92 की तुलना में बढ़ा हुआ हैं। वहीं वर्ष 2010-11 में कुल बागवानी फसलों का क्षेत्र 823.00 हजार हेक्ट से 77.61 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ हैं और वर्ष 2017-18 में कुल बागवानी फसलों का क्षेत्र 1849.66 हजार हेक्ट से 265.31 लाख मीट्रिक टन उत्पादन हुआ हैं। राज्य में कुल बागवानी उत्पादन में वृद्धि वर्ष 2000-01 से 2011 तक लगभग सवा दो-गुना बढ़ा हुआ हैं, जबकि वर्ष 2011 के पश्चात् राज्य में कुल बागवानी फसलों के उत्पादन में लगभग साढ़े तीन गुना बढ़ा हुआ हैं।

राज्य में कुल बागवानी फसल में फसल वार स्थिति

मध्यप्रदेश राज्य में कुल बागवानी फसलों के उत्पादन में फसल विविधीकरण में फसल प्रतिशतता की स्थिति का अध्ययन किया गया हैं। जिसमें बागवानी फसलों के उत्पादना में बागवानी फसलवार स्थिति तथा प्रवृति की हिस्सेदारी के साथ फसल प्रतिरूप की स्थिति को तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

तालिका क्रमांक 2

कुल बागवानी उत्पादन में फसलवार प्रतिशतता की प्रवृति

वर्ष	फल	सब्जी	मसाले	फूल	सजावटी पौधे	कुल बागवानी
2000	35.85%	53.98%	7.31%	0.05%	2.81%	44.05
2001	38.87%	54.07%	4.36%	0.06%	2.64%	34.42
2002	33.23%	58.08%	5.47%	0.03%	3.20%	34.4
2003	33.49%	61.66%	4.81%	0.03%	3.16%	33.23
2004	34.48%	66.34%	6.40%	0.03%	3.26%	34.4
2005	35.29%	68.85%	6.63%	0.03%	3.21%	33.32
2006	36.47%	71.66%	7.03%	0.03%	3.25%	32
2007	38.06%	74.87%	7.43%	0.03%	3.35%	30.16
2008	28.79%	60.63%	8.13%	0.04%	2.41%	44.8
2009	27.65%	60.80%	8.28%	0.05%	3.22%	44.08
2010	42.72%	48.36%	6.25%	0.07%	2.60%	67.04
2011	43.46%	47.66%	6.21%	0.08%	2.60%	77.61
2012	23.68%	70.42%	3.23%	1.05%	1.62%	143.2
2013	28.58%	65.93%	2.42%	1.01%	2.06%	190.72
2014	28.80%	65.84%	2.30%	1.01%	2.05%	197.75
2015	28.28%	65.61%	3.23%	0.96%	1.92%	216.41
2016	25.39%	68.36%	3.12%	0.95%	2.18%	227.75
2017	26.04%	67.30%	4.05%	0.73%	1.89%	266.39
2018	27.96%	66.13%	4.49%	0.93%	3.45%	265.31
2019 (1st adv)	27.27%	67.07%	4.62%	0.92%	0.33%	270.57

उपर्युक्त तालिका में बागवानी फसलों की प्रतिशतता को बताया गया हैं जिसमें वर्ष 2000 से 2019 तक फल, सब्जि, मसाले, फूल, सजावटी तथा औषधीय पौधे आदि की स्थिति को दर्शाया है। वर्ष 2002 में फल की हिस्सेदारी 33.23 प्रतिशत थी जो वर्ष 2007 में 38.06 प्रतिशत रहा है इस प्रकार से इन विगत वर्षो में फलों की प्रतिशत हिस्सेदारी कुल बागवानी में बढ़ा हुआ है। किन्तु वर्ष 2000 तथा 2001 में फलों की हिस्सेदारी क्रंमशः 35.85 तथा 38.87 प्रतिशत था। वर्ष 2008 तथा 2009 में फलों की हिस्सेदारी में कमी हुई है। पुनः वर्ष 2010 और 2011 में प्रतिशत हिस्सेदारी में वृद्धि हुई। तत्पश्चात् वर्ष 2012 में 23.68 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही। इसके पश्चात् वर्ष 2013 से 2015 तक लगभग फलों की हिस्सेदारी 28 प्रतिशत से अधिक रही है और वर्ष 2016 से 2019 तक फलों की हिस्सेदारी क्रंमशः 25 से धीरे-धीरे बढ़कर 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी लगभग रही हैं। प्रतिशत हिस्सेदारी में सब्जी की हिस्सेदारी सर्वाधिक पायी गई हैं। वर्ष 2018 में 66.13 प्रतिशत हिस्सेदारी वहीं मसाले की 4.49 प्रतिशत की हिस्सेदारी देखी गई हैं। इस प्रकार से राज्य में बागवानी फसलों की विविधता में सर्वाधिक हिस्सेदारी सब्जियों के उत्पादन की रही है। वर्ष 2000 से 2019 तक के कुल बागवानी उत्पादन में सब्जी की हिस्सेदारी लगभग 55 प्रतिषत से अधिक की रही हैं। राज्य में मसालों के उत्पादन की हिस्सेदारी विगत वर्ष 2000 में 7.31 प्रतिशत थी जो लगातार घटकर वर्ष 2001 में 4.36 प्रतिशत रह गया और वर्ष 2002 में बढ़कर 5.47 प्रतिशत रहा हैं। पुनः वर्ष

2003 में घटकर 4.81 प्रतिशत रह गई। इसके पश्चात् राज्य में कुल बागवानी उत्पादन में मसाले की हिस्सेदारी लगातार बढ़कर वर्ष 2009 में 8.28 प्रतिशत रही है। लेकिन 2010 से घटकर वर्ष 2014 में 2.30 प्रतिशत रह गई हैं। तत्पश्चात वर्ष 2015 से राज्य में मसाले उत्पादन की हिस्सेदारी बढ़ना शुरू हुई हैं, जो वर्ष 2019 में 4.62 प्रतिशत रही हैं। राज्य में कुल बागवानी फसलों में फसलों की हिस्सेदारी की प्रवृति को निम्न चार्ट के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

चार्ट क्रमांक 1

मध्यप्रदेश में कुल बागवानी उत्पादन में फसलों के हिस्सेदारी की प्रवृति

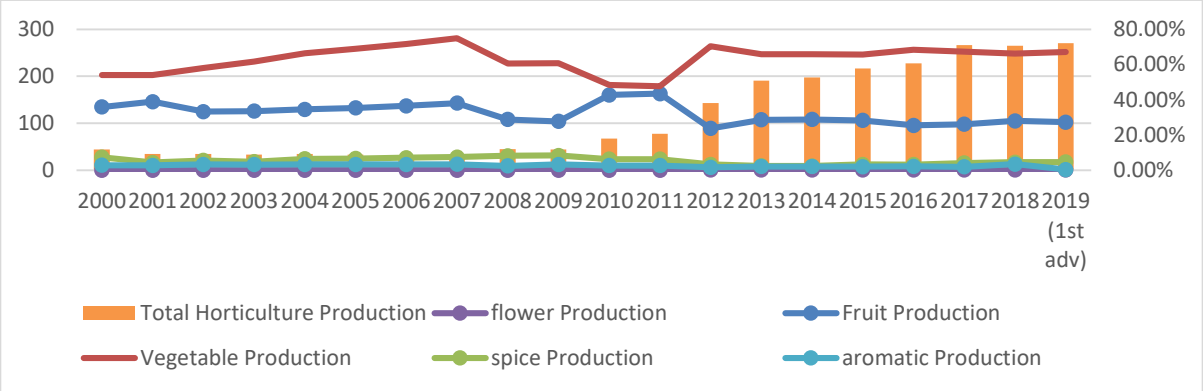

उक्त चार्ट में राज्य में कुल बागवानी उत्पादन में फसल विविधीकरण की स्थिति की प्रवृति तथा हिस्सेदारी को स्पष्ट किया गया है। इस चार्ट की सहायता से आसानी से समझा जा सकता है। उक्त चार्ट का अध्ययन करने से स्पष्ट प्रतीत होता है कि राज्य में कुल बागवानी उत्पादन में सर्वाधिक हिस्सेदारी सब्जी की हैं। जिसकी औसत हिस्सेदारी लगभग 50 से 60 प्रतिशत रही है। वहीं दूसरे क्रम पर फलों की स्थिति आती है। जिसकी औसत हिस्सेदारी 30 से 35 प्रतिशत के बीच पायी गई हैं। यदि इन फसलों की प्रवृति के स्वरूप को देखे तो हम पाते है कि वर्ष 2007 से सब्जी की हिस्सेदारी में ह्रास हुआ है जो वर्ष 2010 तथा 2011 में स्थिरता के पश्चात् वृद्धि के साथ वर्ष 2013 से स्थिर प्रवृति से बढ़ा हैं। इसी तरह से फल के साथ स्थिति देखी गई हैं, इस प्रकार राज्य में वर्ष 2007 से 2012 तक की स्थिति बहुत ही उतार-चढ़ाव की स्थिति रहीं है। इसी तरह से राज्य में कुल बागवानी फसलों के क्षेत्रफल के आधार पर फसलों की प्रतिशतता के स्वरूप को प्रकट किया गया हैं। जो निम्न प्रकार तालिका के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है:-

तालिका क्रमांक 3

कुल बागवानी क्षेत्रफल में फसलवार प्रतिशतता की प्रवृति

वर्ष	फल	सब्जी	मसाले	फूल	सजावटी पौधे	कुल बागवानी
2000	9.60%	37%	48.97%	0.57%	3.48%	598.81
2001	13.82%	35%	45.99%	1.01%	4.08%	372.75
2002	11.48%	35%	48.63%	0.36%	4.56%	402.85
2003	14.08%	43%	42.84%	0.42%	4.56%	337.77
2004	10.63%	37%	48.91%	0.35%	2.64%	470.75
2005	10.78%	39%	51.30%	0.38%	2.28%	450.75
2006	10.99%	41%	54.57%	0.42%	2.24%	422.77
2007	11.23%	43%	57.17%	0.48%	1.89%	393.42
2008	8.98%	37%	50.63%	0.54%	3.23%	557.00
2009	8.63%	37%	49.64%	0.54%	4.32%	556.00
2010	15.78%	35%	44.55%	0.98%	4.05%	716.00
2011	16.04%	35%	44.47%	0.97%	4.13%	823.00
2012	15.94%	51%	29.95%	1.56%	1.92%	1001.35
2013	16.53%	52%	25.24%	1.39%	5.27%	1188.19
2014	17.00%	52%	23.77%	1.42%	5.34%	1198.43
2015	16.72%	51%	25.85%	1.35%	4.99%	1315.84
2016	18.56%	51%	24.55%	1.24%	4.84%	1491.13
2017	18.62%	49%	27.80%	0.94%	3.86%	1887.07
2018	19.14%	48%	29.24%	1.07%	2.45%	1849.66
2019 (1st adv)	18.77%	49%	29.17%	0.94%	1.91%	1884.53

उक्त तालिका में राज्य में कुल बागवानी के क्षेत्र विस्तार में विविध फसलों के स्वरूप तथा उनकी स्थिति को दर्शाया गया है। जो वर्ष 2018 में फलों की हिस्सेदारी 19.14 प्रतिशत, सब्जी 48 प्रतिशत, मसाले 29.24 प्रतिशत, फूल 1.07 प्रतिशत तथा सजावटी/औषधी पौधों की हिस्सेदारी 2.45 प्रतिशत की देखी गई हैं। लेकिन वर्ष 2000 की स्थिति में फलों की हिस्सेदारी 9.60 प्रतिशत, सब्जी 37 प्रतिशत, मसाले 48.97 प्रतिशत, फूल 0.57 प्रतिशत तथा सजावटी/औषधी पौधों की हिस्सेदारी 3.48 प्रतिशत थी और यदि हम वर्ष 2010 की स्थिति में कुल बागवानी फसल में विभिन्न फसलों की स्थिति देखे तो पाते है फलों की हिस्सेदारी 15.78 प्रतिशत, सब्जी 35 प्रतिशत, मसाले 44.47 प्रतिशत, फूल 0.98 प्रतिशत तथा सजावटी/औषधी पौधों की हिस्सेदारी 4.13 प्रतिशत की देखी गई हैं।

चार्ट क्रमांक 2

मध्यप्रदेश में कुल बागवानी क्षेत्रफल में फसलों के हिस्सेदारी की प्रवृति

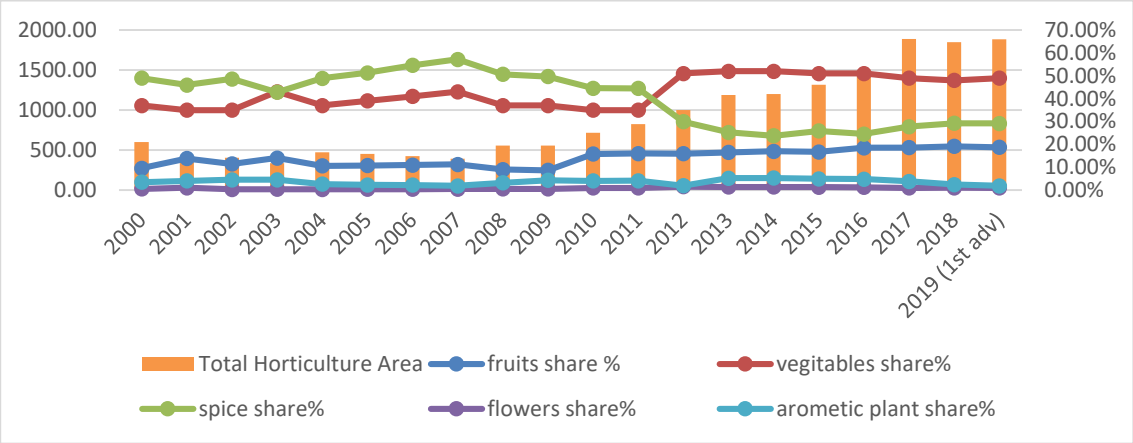

उक्त चार्ट में राज्य में कुल बागवानी फसलों के क्षेत्र विस्तार के साथ फसल विविधता की स्थिति तथा फसलों की हिस्सेदारी के प्रतिशतता की स्थिति को दर्शाया गया है। इस-प्रकार से चार्ट का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि राज्य में कुल बागवानी में राज्य में वर्ष 2000 से 2011 तक मसाले की हिस्सेदारी कुल बागवानी फसलों के क्षेत्र में सर्वाधिक प्रतिशत थी। किन्तु 2011 के पश्चात् राज्य में मसाले की प्रतिशत हिस्सेदारी में कमी हुई है और सब्जियों की प्रतिशत हिस्सेदारी सर्वाधिक प्रतिशत रही है। वर्ष 2011 के पहले की स्थिति में राज्य में प्रतिशत हिस्सेदारी में राज्य में सर्वाधिक हिस्सेदारी क्रम में क्रमशः मसाले, सब्जी, फल, सजावटी/औषधीय फसलों की हिस्सेदारी रही हैं।

चार्ट क्रमांक 3

मध्यप्रदेश में कुल बागवानी फसलों के उत्पादन की उपलब्धता

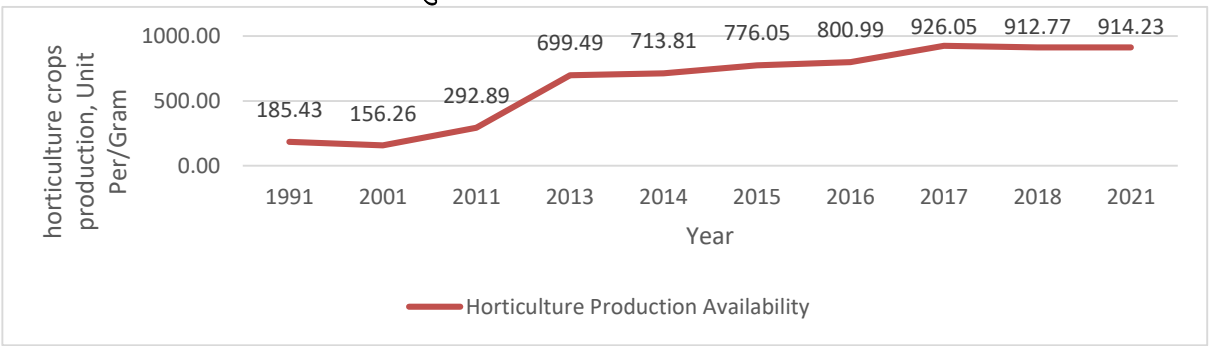

उक्त चार्ट से स्पष्ट है कि राज्य में प्रति व्यक्ति मासिक कुल बागवानी फसलों की उत्पादन उपलब्धता वर्ष 1991 में 185.43 ग्राम प्रतिदिन प्रति व्यक्ति को उपलब्धता था, विगत दस वर्ष पश्चात् राज्य में कुल बागवानी फसलों की प्रतिदिवस उपलब्धता वर्ष 2001 में 29.17 ग्राम की कमी होकर 156.26 ग्राम प्रतिव्यक्ति उपलब्धता रहीं है। किन्तु राष्ट्रीय बागवानी मिशन के पश्चात् राज्य में प्रतिदिवस बागवानी फसलों के उत्पादन की उपलब्धता में वृद्धि होकर 292.89 ग्राम प्रतिव्यक्ति हो गई है। जबकि वर्ष 2017 में प्रतिदिवस बागवानी फसल उत्पादन की उपलब्धता 926.05 ग्राम प्रतिव्यक्ति रही है और वर्ष 2018 में 912.77 ग्राम प्रतिव्यक्ति देखी गई है, वहीं वर्ष 2021 में प्रतिदिवस बागवानी फसल उत्पादन की उपलब्धता 914.23 ग्राम प्रतिव्यक्ति का आंकलन किया गया हैं।

4.1 राज्य में बागवानी फसलों का क्षेत्र, उत्पादन तथा उत्पादकता की स्थिति

मध्यप्रदेश में बागवानी फसलों के विस्तार प्रवृति तथा उत्पादन और उत्पादकता की स्थिति का अध्ययन कर, बागवानी फसल की उत्पादकता का अध्ययन किया गया हैं। जिसमें हमारे द्वारा प्रति हेक्ट. उत्पादन की स्थिति के अध्ययन के साथ औसत वृद्धि दर का भी अध्ययन किया गया हैं।

Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 5, May - 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 01/05/2021 Accepted on : 14/05/2021 Publication Date: 31/05/2021

तालिका क्रमांक 4

म.प्र.में फसल वार बागवानी क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादकता स्थिति

(उत्पादनः लाख टन में, क्षेत्रफल- हजार हेक्टयर, उत्पादकता- लाख टन/हजार हेक्ट.)

वर्ष	फल			सब्जी			मसाले			फूल			सजावटी पौधे			कुल बागवानी		
	A	P	y	A	P	y	A	P	y	A	P	y	A	P	y	A	P	y
2000	57.49	15.79	0.27	223.84	23.78	0.11	293.23	3.22	0.01	3.43	0.02	0.01	20.83	1.24	0.06	598.81	44.05	0.07
2001	51.52	13.38	0.26	130.85	18.61	0.14	171.42	1.50	0.01	3.76	0.02	0.01	15.20	0.91	0.06	372.75	34.42	0.09
2002	46.26	11.43	0.25	140.88	19.98	0.14	195.91	1.88	0.01	1.44	0.01	0.01	18.36	1.10	0.06	402.85	34.40	0.09
2003	47.55	11.13	0.23	144.10	20.49	0.14	144.71	1.60	0.01	1.42	0.01	0.01	15.39	1.05	0.07	337.77	33.23	0.10
2004	50.04	11.86	0.24	174.82	22.82	0.13	230.24	2.20	0.01	1.64	0.01	0.01	12.42	1.12	0.09	470.75	34.40	0.07
2005	48.61	11.76	0.24	174.73	22.94	0.13	231.23	2.21	0.01	1.70	0.01	0.01	10.26	1.07	0.10	450.75	33.32	0.07
2006	46.48	11.67	0.25	173.35	22.93	0.13	230.71	2.25	0.01	1.78	0.01	0.01	9.45	1.04	0.11	422.77	32.00	0.08
2007	44.18	11.48	0.26	169.02	22.58	0.13	224.91	2.24	0.01	1.88	0.01	0.01	7.43	1.01	0.14	393.42	30.16	0.08
2008	50.00	12.90	0.26	204.00	27.16	0.13	282.00	3.64	0.01	3.00	0.02	0.01	18.00	1.08	0.06	557.00	44.80	0.08
2009	48.00	12.19	0.25	205.00	26.80	0.13	276.00	3.65	0.01	3.00	0.02	0.01	24.00	1.42	0.06	556.00	44.08	0.08
2010	113.00	28.64	0.25	248.00	32.42	0.13	319.00	4.19	0.01	7.00	0.05	0.01	29.00	1.74	0.06	716.00	67.04	0.09
2011	132.00	33.73	0.26	284.00	36.99	0.13	366.00	4.82	0.01	8.00	0.06	0.01	34.00	2.02	0.06	823.00	77.61	0.09
2012	159.57	33.91	0.21	506.99	100.84	0.20	299.91	4.62	0.02	15.61	1.51	0.10	19.27	2.32	0.12	1001.35	143.20	0.14
2013	196.36	54.50	0.28	612.77	125.74	0.21	299.91	4.62	0.02	16.52	1.93	0.12	62.63	3.93	0.06	1188.19	190.72	0.16
2014	203.79	56.96	0.28	628.72	130.19	0.21	284.91	4.55	0.02	17.06	2.00	0.12	63.95	4.05	0.06	1198.43	197.75	0.17
2015	219.96	61.19	0.28	672.30	141.99	0.21	340.21	6.99	0.02	17.75	2.08	0.12	65.62	4.16	0.06	1315.84	216.41	0.16
2016	276.82	57.83	0.21	757.67	155.68	0.21	366.04	7.11	0.02	18.42	2.16	0.12	72.18	4.97	0.07	1491.13	227.75	0.15
2017	351.36	69.36	0.20	920.55	179.29	0.19	524.59	10.78	0.02	17.67	1.94	0.11	72.90	5.03	0.07	1887.07	266.39	0.14
2018	354.06	74.17	0.21	889.74	175.45	0.20	540.78	11.92	0.02	19.79	2.46	0.12	45.30	9.16	0.20	1849.66	265.31	0.14
2019 (1st A)	353.71	73.78	0.21	927.33	181.48	0.20	549.76	12.49	0.02	17.72	2.49	0.14	36.02	0.88	0.02	1884.53	270.57	0.14
CGAR	0.10	0.08	-0.01	0.07	0.11	0.03	0.03	0.07	0.04	0.09	0.27	0.17	0.03	-0.02	-0.04	0.06	0.10	0.03
Mean	142.54	33.38	0.24	409.43	74.41	0.16	308.57	4.82	0.01	8.93	0.84	0.05	32.61	2.47	0.08	895.90	114.38	0.11
SD	115.28	24.52	0.03	295.00	64.95	0.04	115.33	3.38	0.00	7.46	1.05	0.06	22.75	2.14	0.04	544.26	95.06	0.04
CV%	80.87	73.45	10.49	72.05	87.29	22.51	37.37	70.15	32.54	83.58	124.64	110.97	69.77	86.89	48.38	60.75	83.11	32.38

स्रोंत- एक नजर उद्यानिकी सांख्यिकी पुस्तिका 2017 एवं वार्षिक प्रतिवेदन

उपर्युक्त तालिका में राज्यमें बागवानी फसलों की फसल-वार उत्पादन तथा उत्पादकता की स्थिति के साथ फसल की विचरणशीलता की स्थिति का अध्ययन किया गया है। उक्त तालिका से स्पष्ट है कि सर्वाधिक विचरण गुणांक फूलों (पुष्प)के क्षेत्र का 83.58 प्रतिशत और पुष्प उत्पादन का 124.64 प्रतिशत वहीं उत्पादकता का विचरण गुणांक प्रतिशत 110.97 हैं। जिसका आशय है कि राज्य में फूलों की विचरणशीलता अधिक है। जो अस्थिरता को प्रकट करता है। इसलिए इस क्षेत्र की ओर अभी पर्याप्त ध्यान देने की विशेष आवश्यकता हैं। साथ ही उद्यानिकी विकास में की संभावना भी इसी क्षेत्र में विशेष नजर आ रहा हैं। इसके पश्चात बागवानी फसलों में सब्जी के क्षेत्र का विचरण गुणांक 72.05 प्रतिशत, उत्पादन का 87.29 प्रतिशत और सब्जी उत्पादकता का विचरण गुणांक 22.51 प्रतिशत देखा गया है। वहीं यदि मानक विचलन की बात करें तो सब्जी के क्षेत्र 295.00, उत्पादन का 64.95 तथा उत्पादकता का 0.04 था। अब यदि हम फलों के क्षेत्र का विचरण गुणांक 80.87 प्रतिशत, फल उत्पादन का 73.45 प्रतिशत और फल उत्पादकता में विचरण गुणांक 10.49 प्रतिशत पाया गया हैं। जबकि मसाले के क्षेत्र में विचरण गुणांक 37.37 प्रतिशत, मसाला उत्पादन में 70.15 प्रतिशत तक अस्थिरता पायी गई हैं। इससे स्पष्ट होता है कि राज्य शासन को बागवानी विकास हेतु अभी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता हैं। क्योंकि राज्य में इन फसलों की उत्पादन की संभावनाएँ काफी अधिक हैं। सरकार को सबसे पहले फूल, सब्जी, फल, के विकास के साथ मसाले पर भी विशेष ध्यान देकर रणनीति तैयार करना होगी। तभी राज्य में बागवानी विकास की स्थिति तय की जा सकती हैं। इसी प्रकार से राज्य में वर्ष 2019 की स्थिति के अनुसार सर्वाधिक उत्पादकता फल की रही है तत्पश्चात सब्जी की देखी गई है। इसके पश्चात पुष्प उत्पादन की उत्पादकता का क्रम रहा हैं। तदोपरांत मसाले की उत्पादकता का क्रम रहा है। अतः वर्ष 2019 में बागवानी फसलों के उत्पादकता के अवरोही क्रम में फल, सब्जी, पुष्प, मसाले, सजावटी/औषधीय फसलों का क्रम रहा हैं।

Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 5, May - 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 01/05/2021 Accepted on : 14/05/2021 Publication Date: 31/05/2021

राज्य में बागवानी फसलों की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर को निम्न चार्ट द्वारा स्पष्ट किया गया हैं।

चार्ट क्रमांक 4

राज्य में बागवानी फसलों की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर

(2011 से 2019)

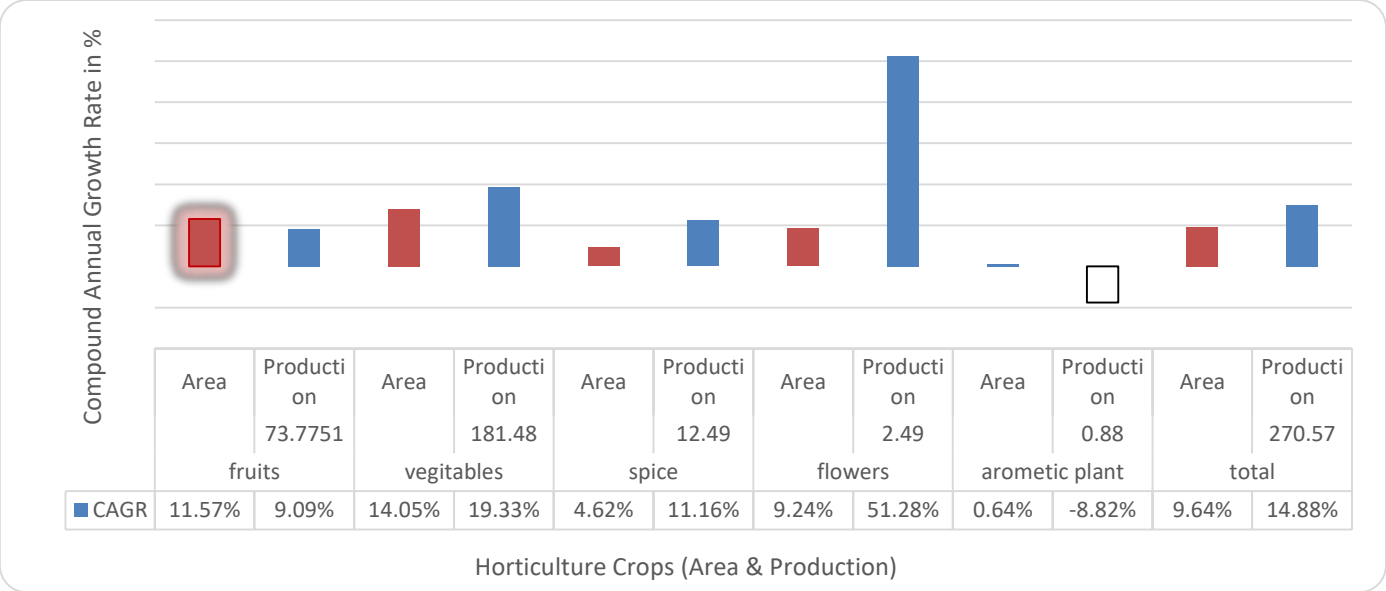

	Area	Production 73.7751	Area	Production 181.48	Area	Production 12.49	Area	Production 2.49	Area	Production 0.88	Area	Production 270.57
	fruits		vegitables		spice		flowers		arometic plant		total	
CAGR	11.57%	9.09%	14.05%	19.33%	4.62%	11.16%	9.24%	51.28%	0.64%	-8.82%	9.64%	14.88%

उपर्युक्त चार्ट से स्पष्ट है कि राज्य में वर्ष 2011 की स्थिति से वर्ष 2019 के प्रथम अग्रिम अनुमान के आधार पर संयुक्त वार्षिक वृद्धि का परिकलन किया गया है। जिसमें राज्य में फसल वार बागवानी फसलों की स्थिति में फलों के क्षेत्र में 11.57 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं, उत्पादन में 9.09 प्रतिशत की वृद्धि पायी गई हैं। सब्जी के क्षेत्र में 14.05 प्रतिशत की वृद्धि रही है उत्पादन में 19.33 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर रही है, मसाले के क्षेत्र 4.62 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि तथा उत्पादन में 11.16 प्रतिशत की वार्षिक संयुक्त वृद्धि देखी गई है। जबकि पुष्प (फूल-कट तथा लूज) के क्षेत्रफल में वर्ष 2011से 2019 के बीच 9.24 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि रहीं है वहीं पुष्प उत्पादन में 51.28 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर रहीं हैं। जोकि अन्य बागवानी फसलों की तुलना में सर्वाधिक वृद्धि पायी गई है। लेकिन बागवानी फसलों में सजावटी/औषधीय पौधों की वृद्धि दर ऋणात्मक पायी गई है। इस प्रकार से राज्य में कुल बागवानी फसलों के क्षेत्र में विगत आठ वर्षों में 9.64 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि के साथ उत्पादन में 14.88 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर रहीं है।

चार्ट क्रमांक 5

बागवानी फसलवार संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर की प्रवृति

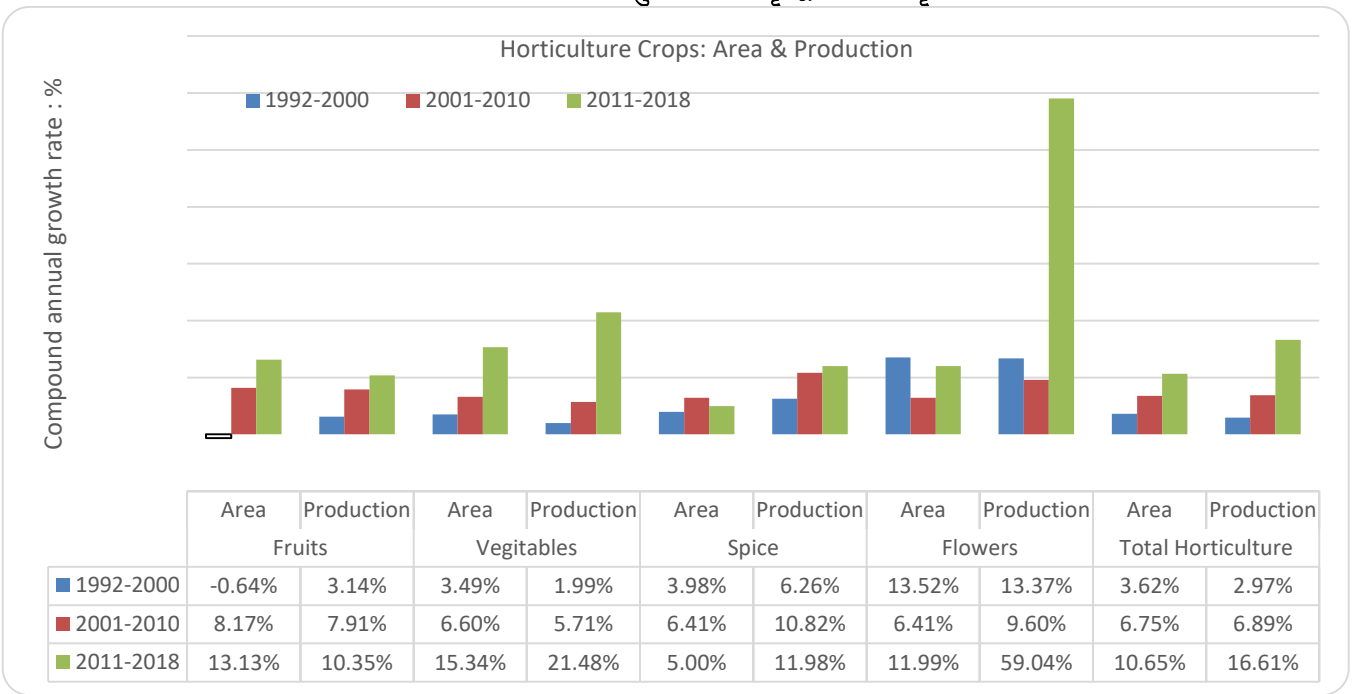

	Area	Production	Area	Production	Area	Production	Area	Production	Area	Production
	Fruits		Vegitables		Spice		Flowers		Total Horticulture	
1992-2000	-0.64%	3.14%	3.49%	1.99%	3.98%	6.26%	13.52%	13.37%	3.62%	2.97%
2001-2010	8.17%	7.91%	6.60%	5.71%	6.41%	10.82%	6.41%	9.60%	6.75%	6.89%
2011-2018	13.13%	10.35%	15.34%	21.48%	5.00%	11.98%	11.99%	59.04%	10.65%	16.61%

Shikshan Sanshodhan : Journal of Arts, Humanities and Social Sciences ISSN: 2581-6241 Volume - 4, Issue - 5, May - 2021
Monthly, Peer-Reviewed, Refereed, Indexed Journal Impact Factor: 3.871
Received on : 01/05/2021 Accepted on : 14/05/2021 Publication Date: 31/05/2021

उपर्युक्त चार्ट में राज्य में बागवानी फसल में फसलवार, संयुक्त वार्षिक वृद्धि की स्थिति तथा प्रवृति का अध्ययन कर प्रदर्शित किया गया है। जिसके विश्लेषण से स्पष्ट है कि राज्य में बागवानी फसलों के क्षेत्रफल तथा उत्पादन की दशकीय संयुक्त वृद्धि दर की स्थिति प्रकट की गई हैं। जिसमें वर्ष 1992 से 2000 की स्थिति में कुल बागवानी फसलों के क्षेत्र की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर 3.62 प्रतिशत थी। जबकि कुल बागवानी उत्पादन में 2.97 प्रतिशत की वृद्धि पायी गई थी, जिसमें सर्वाधिक वृद्धि दर पुष्प में थी। वहीं वर्ष 2001 से 2010 की दशक में वृद्धि का अध्ययन करें, तो हम पाते है कि कुल बागवानी फसल के क्षेत्रफल में 6.75 प्रतिशत तथा उत्पादन में 6.89 प्रतिशत की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर रही हैं। इस अवधि में बागवानी फसलों मे सर्वाधिक संयुक्त वार्षिक वृद्धि क्रमशः मसाले, फूल, फल तत्पश्चात सब्जियों में देखी गई हैं। यह अवधि बागवानी विकास की परिर्वतनशील अवधि थी। क्योंकि इस अवधि में सरकार ने बागवानी फसलों के विकास तथा विस्तार हेतु अनेक सुनियोजित योजनाओं तथा कार्यक्रमों का संचालन किया। जिसमें राष्ट्रीय बागवानी मिशन एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इसके पश्चात् सरकार ने बागवानी के समग्र विकास की रणनीति तय की है और वर्ष 2011 में समग्र कृषि विकास तथा सतत् धारणीय विकास के साथ समावेशी तथा कृषि विविधीकरण की नीति के साथ पौष्टिक आहार तथा खाद्य-सुरक्षा, तथा इसकी उपलब्धता के साथ जलवायु परिवर्तन तथा रोजगार की दिशा के साथ किसानों की आय में वृद्धि की दिशा में कार्य किया गया हैं। जिसके कारण कृषि क्षेत्र को मात्र आजीविका क्षेत्र नहीं माना गया बल्कि एक उद्यम तथा लाभ-पूर्ण व्यवसाय के रूप में कृषि निवेश तथा बजट में विस्तार किया गया हैं। इसलिए वर्ष 2011 से 2018 तक की अवधि में बागवानी फसलों की संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर सर्वाधिक रही है। जिसमें कुल बागवानी फसलों के क्षेत्र में 10.65 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है वहीं उत्पादन में 16.61 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। इसके साथ ही इस अवधि में फसल के माँग प्रतिरूप में बदलाव हुआ है जिसके कारण राज्य में फूल, सब्जी तथा फलों में संयुक्त वार्षिक वृद्धि दर सर्वाधिक रही हैं और सबसे कम वृद्धि मसालों के क्षेत्र तथा उत्पादन में देखी गई। इस-प्रकार से राज्य में बागवानी विकास की सर्वाधिक वृद्धि दर वर्ष 2011 से 2018 की अवधि में रहीं है सर्वाधिक वृद्धि होने से वर्ष 2012 को बागवानी वर्ष घोषित किया गया।

राज्य मे बागवानी फसल विकास की स्थिति के विश्लेषण के पश्चात् भविष्य में बागवानी फसलों की माँग-पूर्ति की स्थिति के अध्ययन के साथ भविष्य में बागवानी उत्पादन की संभावना की प्रवृति का अध्ययन किया गया हैं, साथ ही रेखीय उत्पादन प्रवृति तथा फलन के साथ तीन वर्षीय चल माध्य के माध्यम से उत्पादन प्रवृति की स्थिरता का भी अध्ययन किया गया है। जिसे निम्न चार्ट के माध्यम से स्पष्ट किया गया है-

चार्ट क्रमांक 6

राज्य में बागवानी फसलों की उत्पादन संभावना तथा रेखीय प्रवृति

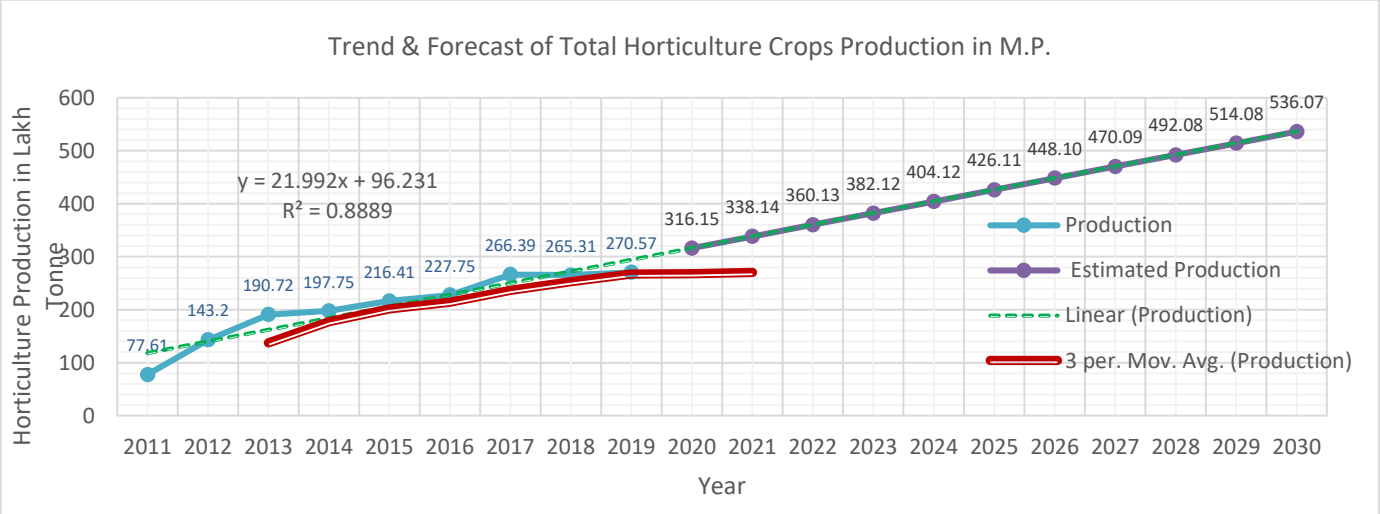

उक्त चार्ट के अध्ययन से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश राज्य में बागवानी फसलों के विकास तथा विस्तार की संभावनाओं के अध्ययन के साथ उत्पादन प्रवृति का विश्लेषण किया गया है। वर्ष 2011 में 77.61 लाख मीट्रिक टन के उत्पादन के साथ वर्ष 2019 के अग्रिम अनुमान में 270.57 लाख मीट्रिक टन उत्पादन प्राप्त हुआ हैं। यदि इस अवधि में तीन वर्षीय चल माध्य की प्रवृति का अध्ययन करें, तो हम पाते है कि राज्य में कुल बागवानी फसल उत्पादन की प्रवृति चल माध्य से नीचे नहीं होगी। इसके साथ ही रेखीय उत्पादन फलन की प्रवृति का अध्ययन से स्पष्ट है कि राज्य में कुल बागवानी उत्पादन लगातार धनात्मक वृद्धि के साथ बढ़ रहा है। राज्य में कुल बागवानी फसल उत्पादन का रेखीय समीकरण जिसका अर्थ है कि उत्पादन फसल रेखा का ढाल 21.992 (गुणांक) है जिसका स्थिरांक 96.231 हैं। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक कुल बागवानी फसल के उत्पादन का आंकलन किया गया है। जिसमें वर्ष 2020 में 316.15 लाख मीट्रिक टन उत्पादन से बढ़कर वर्ष 2030 में 536.07 लाख मीट्रिक टन उत्पादन होने की संभावना का आंकलन किया गया है। इसके साथ ही रेखीय प्रवृति स्थिर रूप से धनात्मक गति से बढ़ रहा है। जिससे स्पष्ट की राज्य में बागवानी फसलों की उत्पादन संभावना अधिक हैं।

राज्य में बागवानी फसलों की माँग स्वरूप की स्थिति का अध्ययन निम्न प्रकार से किया गया है। जिससे भविष्य में बागवानी फसलों की आवश्यकता को पूरा किया जा सके। इसके लिए सबसे पहले राज्य में जनसंख्या की स्थिति का अध्ययन किया गया हैं जिससे भविष्य

में बागवानी फसलों की उपलब्धता को पूरा कर समावेशी विकास की रणनीति को सुनिश्चत किया जा सके। क्योंकि राज्य में जनसंख्या वृद्धि के आंकलन से भविष्य में बागवानी फसलों की माँग की पूर्ति को पूरा किया जा सके।

5. निष्कर्ष एवं सुझाव:

बागवानी का अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। क्योंकि बागवानी फसलें उच्च मूल्य प्रदान करने वाली फसले होने के कारण कृषि आय बढ़ाने, आजीविका सुरक्षा प्रदान करने, खाद्यान्न सुरक्षा तथा पोषक, विदेशी मुद्रा अर्जित करने मे तीव्र वृद्धि के साथ सतत तथा मिलेनियम विकास के लक्ष्य को पूरा करने के साथ गरीबी उन्मूलन, भुखमरी से बचाव, रोजगार के अवसर के साथ पर्यावरणीय विकास तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में बागवानी की अहम् भूमिका है। मध्यप्रदेश में बागवानी विकास की वृद्धि पिछले एक दशक से तीव्र रूप से हुई है। जिससे प्रदेश में कृषि विविधिकरण की दिशा में एक नये आयाम को प्राप्त किया हुआ है। राज्य में बागवानी विकास की वृद्धि दर में सकारात्मक स्थिति देखी गई हैं किन्तु कुछ वर्षो में बागवानी विकास की स्थिति में गिरावट अवश्य आयी है। बागवानी विकास के लिए केन्द्र तथा राज्य शासन की सम्मिलित योजना राष्ट्रीय बागवानी मिशन के पश्चात् तीव्र हुई हैं। लेकिन यह वृद्धि दर अन्य राज्यों की तुलना में बहुत कम है। वहीं प्रदेश में राष्ट्रीय बागवानी मिशन का क्रियान्वयन तथा इसका लाभ कुछ क्षेत्र विशेष में ही सीमित है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि मिशन का क्रियान्वयन नीतिगत रूप से प्रत्येक बागवानी उत्पादक को इसका लाभ मिलना चाहिए। इस दिशा में विशेष प्रयास किया जाना आवश्यक है। राज्य में बागवानी उत्पादन में फल तथा सब्जियों की स्थिति बहुत ही सुदृढ़ रही है। मध्यप्रदेश राज्य में बागवानी विकास की अनेक संभावनाएँ मौजूद है। जिससे प्रदेश में बागवानी विकास की दिशा में तीव्र वृद्धि की जा सकती है। किन्तु इन संभावनाओं के साथ कुछ चुनौतियॉ निहित है। जिसमें बाजार की असामान्यता, आधार भूत संरचना, कोल्ड स्टोरेज, विपणन, खाद्य प्रसंस्करण यूनिट, और स्थानीय स्तर पर स्वारोजगार, समर्थन मूल्य, मूल्य वर्धित उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाया जाये साथ ही अनुसंधान कार्य को विशेष प्रोत्साहन दिया जाये। बागवानी विकास में नवाचार के माध्यम से राज्य में बागवानी विकास की प्रगति को तीव्र किया जा सकता है।

ग्रंथसूची:

1. Jha, G. K., Suresh, A., Punera, B., & Supriya, P. (n.d.-a). Growth of horticulture sector in India: Trends and prospects. *Indian Journal of Agricultural Sciences*, 8.
2. Kadam, M. M., Rathod, V. J., & Phalke, S. H. (2015). Growth and performance of horticulture in India. *INTERNATIONAL JOURNAL OF COMMERCE AND BUSINESS MANAGEMENT*, *8*(2), 207–217. https://doi.org/10.15740/HAS/IJCBM/8.2/207-217
3. *Kappa, Kondal (2021). Trends in Area and Production of Horticulture Sector in India : Academia.edu*. Retrieved 2 April 2021, from https://www.academia.edu/11108868/Trends_in_Area_and_Production_of_Horticulture_Sector_in_India
4. Patil, B. O., & Hosamani, S. B. (2018). *Performance of National Horticulture Mission in India- An economic analysis*. 6.
5. Ramesh, G. B., et.al.(2017). Growth trends in Export and Import of Horticultural Crops from India and Karnataka: An Economic analysis. *Economic Affairs*, *62*(3), 367. https://doi.org/10.5958/0976-4666.2017.00046.8
6. Raut, Y., & Sarawgi, A. K. (2019). Trend Analysis and Growth Rate of Area, Production and Productivity of Marigold Flower in Ratlam Districts of Madhya Pradesh. *International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences*, *8*(06), 927–931. https://doi.org/10.20546/ijcmas.2019.806.111
7. *Growth trends in Export and Import of Horticultural Crops from India and Karnataka: An Economic analysis—Economicaffairs*. (n.d.). Retrieved 2 April 2021, from https://economicaffairs.co.in/Journal/abstract/id/MjQ1NA==
8. Horticulture Statistics at a Glance - 2017 & 2018. Retrieved 2 April 2021, from http://nhb.gov.in/statistics/Publication/Horticulture%20Statistics%20at%20a%20Glance-2018.pdf